

(श्रीमती माधुरी सिंह)

आधारित है और देश के स्वाधीनता संग्राम में भी बिहार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस राज्य में अत्यन्त भव्य मन्दिर, मस्जिदें, दरगाहें, गुरुद्वारे, और अन्य धर्म स्थान मौजूद हैं जो सदैव राष्ट्रीय एकता को प्रेरित करते रहते हैं। बौध्गया में स्थिति महाबोधी मन्दिर भवन कला, संस्कृति की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान हैं। यहां भगवान बुद्ध की मूर्ति कला का उत्कृष्ट नमूना है। बौध्गया में बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया था। यह गया नगर से लगभग 11 किलोमीटर दूर है। बुद्ध ने जिस वृक्ष के नीचे बैठ कर तपस्या की थी और ज्ञान का आलोक प्राप्त किया था वह बौधी वृक्ष के नाम से विख्यात है और इसी पवित्र स्थान पर महाबौधी मन्दिर स्थित है। इस मन्दिर के भीतर बुद्ध की स्वर्ण-मंडित प्रतिभा है। यह हमारे देश में सबसे पुराना स्मारक है। पुरातत्व की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है। लेकिन समय के थोड़े समुचित रख-रखाव और मरम्मत के अभाव में यह मन्दिर जीर्ण-शीर्ण हो रहा है। इस का गुम्बद कमजोर हो गया है। वह हिलने लगा है और उसके गिरने की आशंका पैदा हो गई है। इतिहास प्रेमी, रिसर्च स्कालर, देशी और विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षक महाबोधी मन्दिर को सुदृढ़ बनाने उसके समीपवर्ती वातावरण को सौन्दर्य प्रदान करने की ओर केन्द्रीय शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय को तुरन्त ध्यान देना चाहिए। हमारे देश की इस अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा करना केन्द्र सरकार का कर्तव्य है। मैं यह अनुरोध करती हूं कि भारत सरकार वहां विशेषज्ञों का दल भेजे, उदारतापूर्वक आर्थिक अनुदान की मंजूरी दें। और इस कार्य को शीघ्र पूरा करें।

(x) *Madhya Pradesh High Court  
Bench at Bhopal*

DR. SHANKAR DAYAL SHARMA

(Bhopal) : Under Rule 377, I make the following statement :

Bhopal is the capital of the largest state of India with a population of more than seven lakhs. It will be in the fitness of things to have a bench of the High Court in Bhopal so that the common man may be able to get justice without undue expenses and inconvenience. Bhopal was the seat of the High Court and the Judicial Commissioners Court for a very long time. There are suitable buildings for the High Court in Bhopal. On states reorganisation, it was agreed that as Bhopal was to be the capital of the new large state of Madhya Pradesh, the seat of the High Court may be established at Jabalpur and the establishment of a Bench at Bhopal was not insisted upon for the time being.

Now the population of Bhopal has grown more than five times and is likely to grow further.

It is always desirable to have at least a bench of the High Court in the capital of a State so that the common man may have easy and speedy access to the judicial remedies against any improper action by the administration, as provided by our Constitution through writs and other remedies.

It is therefore required that the Minister for Law may take early steps for establishing a Bench of the High Court in Bhopal

17.00 hrs.

(xi) *Need to provide a stoppage of  
Vikramshila and Sonbhadra express trains at  
Mirzapur.*

SHRI UMA KANT MISHRA (Mirzapur) : Sir, Mirzapur is very important railway station for the following reasons :

(i) The famous temples of Goddess Vindhyaachal, Astbhuja and Kalikhok are very close to Mirzapur. A large number of pilgrims visit to these temples every day from remote places of the country.